निरंजन कुजूर की विज्ञापन फिल्म 'द स्पिटिंग वॉल'को मिला ABBY'S Award

चर्चा में क्यों?

28 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के युवा फिल्मकार निरंजन कुजूर के विज्ञापन फिल्म 'द स्पिटिंग वॉल'को विज्ञापन जगत का प्रतिष्ठित पुरस्कार एबिज अवॉर्ड **(ABBY'S Award)** गोवा फेस्ट के दौरान दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- यह अवॉर्ड एडवरटाइजिंग क्लब के 54वें संस्करण में दिया गया। विज्ञापन जगत में इसे साउथ एशिया का का सबसे बड़ा अवॉर्ड माना जाता है।
- निरंजन कुजूर की यह एड फिल्म 'नो टोबैको डे'के दिन रिलीज हुई। यह एक डिजिटिल एड फिल्म है जिसे सोशल मीडिया में साल 2022 में रिलीज किया गया था।
- निरंजन कुमार ने बताया कि 'द स्पिटिंग वॉल'विज्ञापन को डाबर रेड पेस्ट के सहयोग से बनाया गया है।
- एड फिल्म को स्पेशलिस्ट कैटेगरी में कॉउज मार्केटिंग के लिये पुरस्कार दिया गया। एड फिल्म की शूटिंग कोलकाता और नोएडा में हुई है।
- एड फिल्म का उद्देश्य पान-गुटखा खाने वाले को जागरूक करना है। एक कृत्रिम वॉल को जरिया बनाकर बहुत ही खूबसूरती के साथ इस विज्ञापन में आम लोगों को तंबाकू सेवन से बचने की सलाह दी गई है।
- निरंजन वर्ष 2020 से एड फिल्म बना रहा है। अब तक उसने पाँच एड फिल्म बनाई है, जिसमें से दो को अवार्ड मिला है।
- 'द स्पिटिंग वॉल' को अब तक दो पुरस्कार मिल चुके हैं। एड गली का मोबेक्स अवॉर्ड भी इस फिल्म को मिला है। इसके अलावा 'डाबर रत्नप्राश' को इकोनोमिक्स टाइम्स का बेस्ट यूज्ड ऑफ कंटेंट मार्केटिंग का अवार्ड भी मिला है।
- विदित है कि राज्य के युवा फिल्मकार निरंजन कुजूर की कुडुख भाषा में बनी फिल्म 'एड़पा काना'को नॉन फीचर फिल्म कैटेगरी में बेस्ट ऑडियोग्राफी के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि निरंजन कुजूर झारखंड के लोहरदगा ज़िले के रहने वाले निर्देशक और पटकथा लेखक हैं। अब तक निरंजन ने कुडुख, हिन्दी, बांग्ला और संताली भाषा में फिल्म बनाई है।
- हाल ही में निरंजन ने बांग्ला में शार्ट फिल्म 'तीरे बेंधो ना'बनाई है, जिसे केरल के **IDSFFK aur SiGNS** फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जाएगा। उसके बाद इसे कोलकाता में **South Asian Short Film Festival (SASFF)** में भी दिखाया जाएगा।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/niranjan-kujur-s-ad-film-the-spitting-wall-bags-abby-s-award